

**Final Year M.A. Degree Examinations  
August/September 2009  
Directorate of Correspondence Course  
(Freshers)**

**HINDI LANGUAGE**

**Paper - V : Prachin Evam Madhyakaleen Hindi Kavya**

**प्राचीन एवं मध्यकालिन काव्य**

Time: 3 Hours

Max. Marks: 80

I. निम्नलिखित में से दो पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :-

10x2=20

- अ) नन्दक नन्दन कदम्बक तरु-तल, धिरे-धिरे मुरली बजाव ।  
समय संकेत-निकेतन बइसल, बेरि-बेरि बोलि पठाव ।  
सामरि, तोरा लागि, अनुखन विकल मुरारि ।  
जमुनाक तिर उपवन उदवेगल, फिर-फिर ततहिं निहारि ।  
गोरस बेचए अवइत-जाइत जनि-जनि पुछ वनमारि ।  
तोहे मति मान सुमति मधुसूदन, वचन सुनह किछु मोरा ।
- आ) सावन बरिस मेह अति पानी / भरनि भरइ हीं बिरह झूरानी ।  
लागु पुनर्वसु पीउ न देखा । भै बाउरि कहँ कंत सरेखा ।  
रक्त क आँसु परे भुईं टूटी । रेंगि चली जनु बीर बहूटि ।  
सखिन्ह रचा पिउ संग हिंडोला । हरियर भुईं कुसुंभि तन चोला ।  
हिय हिंडोल जस डीलै मोरा । बिरह भुलावै देइ झंकोरा ॥
- इ) उद्धव ! यह मन निस्वय जानो ।  
मन क्रम बच मैं तुम्हें पठावत ब्रज को तुरत पलानो ॥  
पूरन ब्रह्म, सकल अविनासी ताके तुम हीं ज्ञाता ।  
रेख, न रूप, जाति कुल, नाहीं जाके नहीं पितु माता ॥  
यह मत दै गोपिन कहँ आबडु बिरह नदी मैं भासति ।  
सूर तुरत यह जाय कहौ तुम ब्रह्म बिना नहीं आसति ॥
- ई) बिनु गुर होइ कि ग्यान ग्यान कि होइ विराग बिनु ।  
गावहिं बेद पुराना सुख कि लइअ हरि भगति बिनु ॥  
कोउ विश्राम कि पाव तात सहज संतोष बिनु ।  
चलै कि जल बिनु नाव कोरि जतन पचि-पचि भरिअ ॥

II) किन्हे छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

10x6=60

- 1) विद्यापति की राधा की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
- 2) विद्यापति की 'पदावली' के भाव सौंदर्य को निरूपित कीजिए ।
- 3) कबीर के रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए ।
- 4) कबीर के विरह भाव को सोदाहरण समझाइए ।
- 5) 'पद्मावत' के आधार पर जायसी की भाषा पर लेख लिखिए ।
- 6) तुलसीदास के 'रामचरित मानस' की सोद्देश्यता को समझाइए ।
- 7) 'भ्रमरगीत' की विशेषताओं की चर्चा कीजिए ।
- 8) पठित दोहों के आधार पर बिहारी के काव्य सौंदर्य का विवेचन कीजिए ।

\* \* \*

**Final Year M.A. Degree Examinations  
August/September 2009  
Directorate of Correspondence Course  
(Freshers)**

**HINDI LANGUAGE**

**Paper - VI : Bhasha Vignan Aur Hindi Basha Ka Itihas**

**भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का इतिहास**

Time: 3 Hours

Max. Marks: 80

सूचना : प्रत्येक खंड से तीन-तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। पाँचवा और दसवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

**प्रथम खंड**

**10x2=20**

- 1) भाषा विज्ञान की परिभाषा देते हुए भाषाविज्ञान का व्याकरण के साथ संबंध स्थापित कीजिए।
- 2) भाषा की परिभाषा देते हुए भाषा की उत्पत्ति के सिद्धान्तों की चर्चा कीजिए।
- 3) भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण पर विचार कीजिए।
- 4) ध्वनि परिवर्तन के कारणों पर एक समीक्षात्मक लेख लिखिए।
- 5) किन्हीं पाँच पर टिप्पणियाँ लिखिए।

**5x4=20**

- |                              |                                    |
|------------------------------|------------------------------------|
| 1) भाषा विज्ञान की उपयोगिता  | 2) पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी |
| 3) ध्वनिनियम                 | 4) अर्थतत्व                        |
| 5) हिन्दी की विभिन्न बोलियाँ | 6) हिन्दी के परसर्ग                |

**द्वितीय खंड**

**10x2=20**

- 6) हिन्दी के विकास पर एक निबंध लिखिए।
- 7) भाषा और लिपि का अंतर स्पष्ट करते हुए भारत में लिपि के विकास पर प्रकाश डालिए।
- 8) शब्द भंडार का तात्पर्य समझाते हुए उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए।
- 9) अर्थपरिवर्तन की दिशाओं को सोदाहरण समझाइए।
- 10) किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए।

**5x4=20**

- |                 |                                  |
|-----------------|----------------------------------|
| 1) अर्थविस्तार  | 2) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता  |
| 3) देशज शब्द    | 4) उर्दू, हिन्दी और हिन्दुस्तानी |
| 5) रूप परिवर्तन |                                  |

\* \* \*

**Final Year M.A. Degree Examinations  
August/September 2009  
Directorate of Correspondence Course  
(Freshers)**

**HINDI LANGUAGE  
Paper - VII : Bharteeya Evam Paschatya Kavya Shastra  
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र**

Time: 3 Hours

Max. Marks: 80

सूचना : किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।खंड-अ

10x3=30

- 1) काव्य के विविध रूपों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
- 2) ध्वनि सिद्धान्त तथा सम्प्रदाय की समीक्षा कीजिए ।
- 3) रसनिष्पत्ति सूत्र देते हुए अभिनवगुप्त के मत को प्रतिपादित कीजिए ।
- 4) काव्य की विविध परिभाषाओं को प्रस्तुत करते हुए काव्य के पाश्चात्य लक्षणों को प्रस्तुत कीजिए ।
- 5) काव्य में 'अलंकारों' का महत्व स्थापित करते हुए शब्दालंकारों की चर्चा कीजिए ।
- 6) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

5x2=10

- |                      |                   |
|----------------------|-------------------|
| अ) काव्य का वर्गीकरण | आ) खंडकाव्य       |
| इ) काव्य प्रयोजन     | ई) रीति के प्रकार |

खंड-आ

10x3=30

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

- 7) अरस्तू के त्रासदी सिद्धान्त को निरूपित कीजिए ।
- 8) लोजायनस के उदात्त तत्व का स्वरूप समझाइए ।
- 9) टी.एस. इलियट के वस्तुनिष्ठ समीकरण पर प्रकाश डालिए ।
- 10) वर्ड्सवर्थ के काव्य सिद्धान्त का परिचय दीजिए ।
- 10) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

5x2=10

- |                               |                     |
|-------------------------------|---------------------|
| अ) प्लेटो का अनुकरण सिद्धान्त | आ) सैम्यूअल जॉनसन   |
| इ) सम्प्रेषण सिद्धान्त        | ई) कल्पना सिद्धान्त |
| उ) पाश्चात्य आलोचना पद्धति    |                     |

\* \* \*

**Final Year M.A. Degree Examinations  
August/September 2009  
Directorate of Correspondence Course  
(Freshers)**

**HINDI LANGUAGE  
Paper - VIII : Hindi Patrakarita  
हिन्दी पत्रकारिता**

Time: 3 Hours

Max. Marks: 80

सूचना : किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। नवां प्रश्न अनिवार्य है।

15x4=60

- 1) भारतीय पत्रकारिता के उदभव और विकास पर एक आलोचनात्मक लेख लिखिए।
- 2) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता के महत्व और वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।
- 3) समाचार संकलन तथा लेखन पर एक निबंध लिखिए।
- 4) पत्रकारिता की परिभाषा देते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।
- 5) औद्योगिक एवं साहित्यिक पत्रकारिता के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालिए।
- 6) पत्रकार के प्रमुख गुणों की चर्चा करते हुए उसकी योग्यता पर विचार कीजिए।
- 7) संपादकीय क्या है ? संपादन-कला के सिद्धान्तों पर एक विवेचनात्मक लेख लिखिए।
- 8) प्रजातंत्र में पत्रकारिता का दायित्व' विषय पर अपने विचार लिखिए।
- 9) किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए।

5x4=20

- |                              |                                  |
|------------------------------|----------------------------------|
| अ) सरस्वती पत्रिका का योगदान | आ) व्यंग्य चित्र                 |
| इ) विज्ञापन                  | ई) पत्रकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र |
| उ) इंटरनेट की पत्रकारिता     | ऊ) शीर्षक लेखन                   |

\*\*\*